नमूने का प्रश्नपत्र
हिंदी 301
भाग-1 : वस्तुनिष्ठ प्रश्नपत्र

समय : 90 मिनट कुल अंक : 50

निर्देश:

सर्वाधिक उपयुक्त विकल्प चुनकर पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए :

1. 'भरत का भ्रातृप्रेम' में भरत सबसे अधिक दोषी मानते हैं–

   (क) स्वयं को (ख) कैकेयी को

   (ग) स्वयं के भाग्य को (घ) दशरथ को

2. 'भरत का भ्रातृप्रेम' में भरत के नेत्रों का सौंदर्य बताने के लिए किसका उपमान प्रयुक्त किया गया है–

   (क) कमल (ख) जल

   (ग) नेह (घ) मुक्ता

3. 'भरत का भ्रातृप्रेम' में किसके वचन-चातुर्य का परिचय मिलता है–

   (क) भरत (ख) राम

   (ग) वशिष्ठ (घ) कैकेयी

4. 'भरत का भ्रातृप्रेम' पाठ में आए उदाहरण 'फरइ कि कोदव बालि सुसाली' की जगह कौन-से विकल्प का प्रयोग किया जा सकता है–

   (क) आक के फूल में खुशबू कैसे आएगी।

   (ख) दूसरों के लिए गड्ढ़ा खोदने वाला खुद उसमें गिरता है।

   (ग) आसमान पर थूकने से अपना ही नुकसान होता है।

   (घ) बहुत बढ़-चढ़कर बोलने से अपमानजनक स्थिति होती है।

5. किस विकल्प में रूपक अलंकार है–

   (क) खेलत खुनिस न कबहूँ देखी। (ख) सुनि मुनिवचन राम रूख पाई।

   (ग) पुलक सरीर सभाँ भए ठाढ़े। (घ) मोर अभाग उदधि अवगाहू।

6. सूरदास के 'पद' की किस पंक्ति में उत्प्रेक्षा अलंकार है–

(क) लत लटकनि मनु मत्त मधुप गन (ख) घुटरुनि चलत रेनु तन मंडित

(ग) चारु कपोल लोल लोचन (घ) कठुला कंठ वज्र केहरि नख

7. सूरदास के 'पद' की विशेषता नहीं है–

(क) बिंबात्मकता (ख) स्वाभाविकता

(ग) मनोरमता (घ) ऊहात्मकता

8. मीराँ के पद की विशेषता नहीं है–

(क) मुहावरों का प्रयोग (ख) प्रेम को छिपाना

(ग) दृढ़ता एवं साहस (घ) माधुर्य-भाव

9. 'परशुराम के उपदेश' पाठ में जाति की लगन और व्यक्ति की धुन है–

(क) वीरता (ख) भीतरी गुण

(ग) स्वतंत्रता (घ) अशनि-घात

10. 'परशुराम के उपदेश' पाठ की किस पंक्ति में लाक्षणिकता है–

(क) चट्टानों की छाती से दूध निकालो। (ख) वह देश कभी स्वाधीन नहीं रहता है।

(ग) स्वाधीन जगत में वही जाति रहती है। (घ) बाहरी वस्तु नहीं, भीतरी गुण है।

11. 'क्या भूलूँ, क्या याद करूँ मैं' पाठ में वर्तमान के सूनेपन में हलचल होती है–

(क) रजनी के कारण (ख) स्मृति के कारण

(ग) बंधनों के कारण (घ) दुख के कारण

12. 'भेड़िए' कविता में 'भेड़िया' प्रतीक है–

(क) शोषक का (ख) जंगल का

(ग) भय का (घ) मृत्यु का

13. 'भेड़िए' कविता की भाषागत विशेषता नहीं है–

(क) प्रतीकात्मकता (ख) तत्समबहुलता

(ग) स्वाभाविकता (घ) सरलता

14. 'ग़ज़ल' पाठ का उद्देश्य है–

(क) पर्वतों को पिघलाना
(ख) हंगामा खड़ा करना
(ग) स्थितियों को बदलना
(घ) आग जला देना

15. 'ग़ज़ल' पाठ में 'आग' प्रतीक है–

(क) भूख का
(ख) शोषक व्यवस्था का
(ग) यातना का
(घ) परिवर्तन की चेतना का

16. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ है–

(क) संस्मरण
(ख) शब्दचित्र
(ग) रेखाचित्र
(घ) संस्मरणात्मक रेखाचित्र

17. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ के आरंभ में बात की गई है–

(क) स्मृति की विशेषता की
(ख) सुभद्राकुमारी चौहान की
(ग) स्वाधीनता-आंदोलन की
(घ) स्कूल के दिनों की

18. सुभद्रा कुमारी चौहान की हँसी की विशेषता नहीं बताई गई–

(क) साधारण
(ख) सरल विश्वासयुक्त
(ग) संक्रामक
(घ) निश्चिंत तृप्तियुक्त

19. सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व की विशेषता है–

(क) परंपरा का पूरी तरह पालन करना
(ख) गृहस्थ-धर्म को पूरी तरह त्याग देना
(ग) हरिजनों के पक्ष में संघर्ष करना
(घ) मृत्यु की चर्चा का विरोध करना

20. 'अंडमान डायरी' लिखी–

(क) महादेवी वर्मा ने
(ख) श्रीकांत वर्मा ने
(ग) जगदीश चंद्र माथुर ने
(घ) हरिशंकर परसाई ने

21. 'डायरी' में सबसे पहले लिखा जाता है–

(क) दिन, दिनाँक और स्थान
(ख) लेखक का नाम
(ग) केवल दिन, दिनाँक नहीं
(घ) लेखक का नाम और दिनाँक

22. डायरी लिखते समय आप इसकी विशेषता नहीं मानेंगे–

(क) भावाभिव्यक्ति (ख) औपचारिकता

(ग) वैयक्तिकता (घ) तात्कालिक प्रतिक्रिया

23. 'अंडमान डायरी' पाठ में लेखक जब सेल्यूलर जेल गया, तो उसके सामने किसकी वास्तविकता सामने आ गई–

(क) अंग्रेज़ों के सभ्य होने की (ख) देशप्रेमी होने की

(ग) आज़ादी के सपनों की (घ) भूख और बीमारी की

24. 'अंडमान डायरी' में 'काला पानी' का अर्थ है–

(क) वह स्थान जहाँ से लौटने की उम्मीद नहीं (ख) पोर्ट ब्लेयर में बहाए गए आँसू

(ग) मूँगिया पहाड़ी द्वीप (घ) हरा-नीला समुद्री पानी

25. 'अंडमान डायरी' में लेखक ने क्रांति के नारे लगानेवालों को 'पागल' कहकर किस पर व्यंग्य किया है–

(क) उन समझदार लोगों पर जो कोई जोखिम नहीं उठाते।

(ख) देशभक्तों को फ़ाँसी देनेवाले अंग्रेज़ों पर।

(ग) सावरकर के बारे में ग़लत धारणा रखनेवालों पर।

(घ) सावरकर पर, क्योंकि वे दूसरे कैदियों की ख़बर नहीं रखते थे।

26. 'अंडमान डायरी' में लेखक ने 'समझदार' लोगों के लिए कहा है कि ''वे चाय भी फूँक-फूँककर पीते हैं'' आप इसकी जगह किस प्रचलित वाक्य का प्रयोग करेंगे–

(क) दूध भी फूँक-फूँककर पीते हैं। (ख) पानी भी फूँक-फूँककर पीते हैं।

(ग) छाछ भी फूँक-फूँककर पीते हैं। (घ) हवा भी फूँक-फूँककर पीते हैं।

27. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी के लेखक हैं–

(क) भीष्म साहनी (ख) हरिशंकर परसाई

(ग) जगदीशचंद्र माथुर (घ) श्रीकांत वर्मा

28. 'रीढ़ की हड्डी' पाठ में यथास्थिति का सर्वाधिक विरोध कौन-सा पात्र करता है–

(क) प्रेमा (ख) शंकर

(ग) उमा (घ) रामस्वरूप

29. एकांकी एक माध्यम है–

(क) मात्र श्रव्य (ख) मात्र दृश्य

(ग) श्रव्य और दृश्य दोनों नहीं (घ) श्रव्य और दृश्य दोनों

30. इनमें से कौन-सा पात्र 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी का नहीं है–

(क) सिरचन (ख) गोपाल प्रसाद

(ग) उमा (घ) रामस्वरूप

31. 'रीढ़ की हड्डी' एकांकी में यह किसका कथन है– 'आपके लाडले बेटे की 'रीढ़ की हड्डी' भी है या नहीं'–

(क) शंकर (ख) उमा

(ग) रामस्वरूप (घ) गोपाल प्रसाद

32. 'रीढ़ की हड्डी' कहानी का उद्देश्य नहीं है–

(क) समाज की स्त्रियों के प्रति मानसिकता में बदलाव (ख) दहेजप्रथा का विरोध

(ग) स्त्री की अधिकारों के प्रति सजगता (घ) सम्पूर्ण पुरुष वर्ग पर प्रहार

33. 'अच्छा तो साहब, फिर बिजनेस की बात हो जाए।' इस कथन से पता चलता है कि–

(क) रामस्वरूप और गोपाल प्रसाद व्यापार करना चाहते थे।

(ख) गोपाल प्रसाद की नजर में विवाह भी बिजनेस है।

(ग) शंकर और उमा व्यापारी हैं।

(घ) उमा बिजनेस करना चाहती थी।

34. सुभद्रा कुमारी चौहान के व्यक्तित्व का अंग नहीं है–

(क) दृढ़ इच्छाशक्ति (ख) हीन भावना

(ग) राष्ट्रीय भावना (घ) सरलता और सहजता

35. 'सुभद्रा कुमारी चौहान' पाठ के अनुसार बंधन से मुक्ति से स्वरूप कैसा होना चाहिए–

(क) सामाजिक व पारिवारिक मान्यताओं और रूढ़ियों से मुक्ति

(ख) अंग्रेजी शासन से मुक्ति

(ग) तार्किक और मानवीय

(घ) उपर्युक्त सभी

36. एक श्रेष्ठ पत्र के गुणों में शामिल नहीं हैं–

(क) विस्तार (ख) संक्षिप्तता

(ग) सहजता (घ) प्रभावशीलता

37. औपचारिक पत्र का अंग नहीं है–

(क) प्रारंभ (ख) 'प्रियवर' संबोधन

(ग) मुख्य विषय (घ) समापन

38. कार्यालयी पत्राचार का प्रकार नहीं है–

(क) शासनादेश (ख) परिपत्र

(ग) टिप्पण (घ) ज्ञापन

39. क्लाउड कंप्यूटिंग के अंतर्गत शामिल नहीं है–

(क) यू-ट्यूब (ख) फेस बुक

(ग) ई-मेल (घ) टाइप सेटिंग

40. किस प्रौद्योगिकी में प्रयोगकर्ता को इंटरनेट के एक सर्वर पर टाटा स्टोरेज की सुविधा प्रदान की जाती है–

(क) क्लाउड कंप्यूटिंग (ख) ई-कॉमर्स

(ग) ई-लर्निंग (घ) बेवसाइट

41. विलोम शब्द लिखिए-

(क) विकास (ख) विदेशी

42. उपसर्ग/प्रत्यय अलग कीजिए–

(क) तीव्रता, सुदृढ़

43. निम्नलिखित वाक्य में विराम-चिह्न लगाकर पुनः लिखिए–

हाय डर के मारे मेरे प्राण पखेरू उड़ गए

44. निम्नलिखित वाक्यों को शुद्ध करके पुनः लिखिए–

(क) शुक्रवार को साइकिल रैली का समापन पोरबंदर में हुआ।

(ख) रामू को काट कर फल खिला दो।

45. निम्नलिखित वाक्यों को जोड़कर संयुक्त वाक्य बनाइए–

(क) एक रात की बात है। (ख) मेरे घर चोर आए।

(ग) बाहर खड़ी साइकिल चुराकर ले गए।

46. निम्नलिखित का शुद्ध रूप लिखिए–

(क) श्रीमति (ख) रूपया

47. निम्नलिखित को भाववाच्य में बदलिए :

मैं चल नहीं सकता।

48. संधि-विच्छेद कीजिए : जन्मोत्सव, स्वाधीन

49. विग्रहपूर्वक समास का नाम लिखिए : देशभक्ति और रात-दिन

50. 'इक' प्रत्यय से दो शब्द बनाइए।

नमूने का प्रश्नपत्र

हिंदी

(301)

भाग-2 : विषयनिष्ठ प्रश्नपत्र

समय : 2 घंटे | अंक : 50

निर्देश:

1. निम्नलिखित काव्यांश की सप्रसंग व्याख्या कीजिए : 4

एकै संग धाए नंदलाल और गुलाल दोऊ,
दृगनि गए जु भरि आनंद मढ़ै नहीं।
धोय-धोय हारी, 'पद्माकर' तिहारी सौंह,
अब तौ उपाय एक चित्त मैं चढ़ै नहीं।
कैसी करौं, कहाँ जाऊँ, कासे कहूँ, कौन सुनै,
कोऊ तो निकासो, जासै दरद बढ़ै नहीं।
एरी मेरी बीर! जैसे-तैसे इन आंखिन तैं,
कढ़िगो अबीर, पै अहीर तो कढ़ै नहीं।

अथवा

कम हो रहा है मिलना-जुलना
कम हो रही है लोगों की जान-पहचान
सुख दु:ख में भी पहले की तरह इकट्ठे नहीं होते लोग
तार से आ जाती है बधाई और शोक-सन्देश
बाबा को जानता था सारा शहर
पिता को भी चार मोहल्ले के लोग जानते थे
मुझे नहीं जानता मेरा पड़ोसी मेरे नाम से
अब सिर्फ़ एलबल में रहते हैं
परिवार के लोग एक साथ
टूटने की इस प्रक्रिया में क्या-क्या टूटा है
कोई नहीं सोचता।

2. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए : 3 + 3 = 6

(क) पठित दोहों के आधार पर बिहारी की किन्हीं तीन भाषागत विशेषताओं पर टिप्पणी लिखिए।

(ख) 'संयुक्त परिवार' कविता का मूल संदेश लिखिए।

(ग) ''नक्शे'' कविता में पर्यावरण के प्रति चिंता किस प्रकार व्यक्त हुई है?

3. निम्नलिखित काव्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : 1 × 5 = 5

तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान
मृतक में भी डाल देगी जान
धूलि-धूसर तुम्हारे ये गात...
छोड़कर तालाब मेरी झोंपड़ी में खिल रहे जलजात
परस पाकर तुम्हारा ही प्राण,
पिघलकर जल बन गया होगा कठिन पाषाण
छू गया तुमसे कि झरने लगे पेड़ शेफालिका के फूल
बाँस था कि बबूल?
तुम मुझे पाए नहीं पहचान?
देखते ही रहोगे अनिमेष! थक गए हो?
आँख लूँ मैं फेर?
क्या हुआ यदि हो सके परिचित न पहली बार?
यही तुम्हारी माँ न माध्यम बनी होती आज
मैं न पाता जान
तुम्हारी यह दंतुरित मुस्कान।

(i) जलजात कहाँ खिलता है और कविता में कहाँ खिल रहा है?

(ii) कविता में 'आँखें फेर लेने' के लिए क्यों कहा गया है?

(iii) 'मृतक में भी डाल देगी जान' का आशय स्पष्ट कीजिए।

(iv) किसी शिशु के मुस्कान का आप पर क्या प्रभाव पड़ता है?

(v) अपने जीवन की किसी घटना का उल्लेख कीजिए जब किसी दृश्य को देखकर आपमें स्फूर्ति का संचार हो गया।

4. निम्नलिखित गद्यांश की व्याख्या कीजिए : 4

हमने तुम्हें वंचित नहीं किया। तुमने अपने आपको वंचित किया है, तुम्हारी थकान ने, तुम्हारी उम्र ने, तुम्हारी

चेतना-दुर्बलता ने, तुम्हारी शक्ति-हीनता ने तुम्हें वंचित किया है। हम तो तुम्हें पूज रहे हैं, और तुम देवता होकर पत्थर मारते हो।

अथवा

जो समझता है वह दूसरों का उपकार कर रहा है, वह अबोध है, जो समझा है कि दूसरे उसका अपकार कर रहे हैं, वह बुद्धिहीन है। कौन किसका उपकार करता है, कौन किसका उपकार कर रहा है? मनुष्य जी रहा है, केवल जी रहा है अपनी इच्छा से नहीं, इतिहास-विधाता की योजना के अनुसार।

5. निम्नलिखित प्रश्नों में से किन्हीं दो के उत्तर 50-60 शब्दों में लिखिए : 3 + 3 = 6

(क) 'चीफ की दावत' कहानी में मध्यवर्गीय मानसिकता की अभिव्यक्ति किस प्रकार हुई है?

(ख) 'कुटज' पाठ में लेखक 'स्वार्थ के लिए जीना' का खंडन किस प्रकार करता है?

(ग) 'पीढ़ियाँ और गिट्टियाँ' पाठ में वयोवृद्धों की शारीरिक स्थिति और इच्छाओं को लेकर किस प्रकार व्यंग्य किया गया है?

6. निम्नलिखित गद्यांश को ध्यानपूर्वक पढ़िए और पूछे गए प्रश्नों के उत्तर दीजिए : $1 \times 5 = 5$

बड़ा बनने के लिए हमें दिखने में बड़ा काम करने की ज़रूरत नहीं होती, बल्कि प्रत्येक काम में बड़ेपन के चिह्न ढूँढने पड़ते हैं। अपनी जिज्ञासु प्रवृत्ति को बढ़ावा देना होता है। दुनिया में ज्ञान का जो बोलबाला है, उसमें हमारे कौतूहल की केंद्रीय भूमिका है। आइंस्टीन ने एक बार साक्षात्कार देते हुए कहा था कि हमारी जिज्ञासा ही हमारे अस्तित्व का आधार है। जिज्ञासा और उसके समाधान की आदत के बिना हमारा जीवन गति और रस से विहीन होगा। इस प्रक्रिया से गुज़रकर ही दुनिया में अनेक क्षेत्रों में नई-नई चीजें सामने आ रही हैं। जब हम कहते हैं – क्यों? कैसे? क्या? तब हमारे अंदर का स्नायुतंत्र और प्राण तत्व-ऊर्जा और संकल्प एक नई गति और उत्साह के साथ नवीनता की यात्रा करने लगते हैं।

हमें इस दुनिया की इतनी आदत पड़ चुकी है कि लीक से हटकर सोचना नहीं चाहते। न भिन्नता, न नवीनता। यह कैसा जीवन है, जिसमें कोई कौतूहल नहीं, कोई आश्चर्य नहीं! इस जगत में हमारी स्थिति एक कीटाणु या विषाणु की तरह है, जो अपनी सुखमयी व्यवस्था में पड़े हैं। लेकिन जो स्वतंत्र होते हैं, वे हृदय की आवाज़ सुनते हैं, जो बड़ा होना चाहते हैं; वे इस दुनिया की प्रत्येक घटना और वस्तुस्थिति पर अपना आश्चर्य प्रकट करते हैं। लीक से हटकर सोचने और कार्य करने की कोशिश ही बड़ा बनाती है। जिज्ञासु मन और बुद्धि ही दर्शन और विज्ञान की दुनिया बनाते हैं।

(i) गद्यांश में किन दो स्थितियों की तुलना की गई है?

(ii) बड़ा बनने की वास्तविक आधारगत विशेषताएं क्या हैं?

(iii) किसके बिना जीवन गति और इससे विहीन हो जाता है?

(iv) हमें किस तरह की दुनिया की आदत पड़ चुकी है?

(v) अपने जीवन से कोई उदाहरण दीजिए जब लीक से हटकर सोचने पर कोई लाभ हुआ हो।

7. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) मंत्रालय के उपसचिव का एक पत्र मिला है जिसमें राष्ट्रीय शिक्षा नीति संबंधी क्रियाकलापों की जानकारी माँगी गई है। इसके बारे में जानकारी देते हुए अपने उच्च अधिकारी को एक टिप्पण लिखिए।

(ख) एक कर्मचारी ने अपनी पदोन्नति के लिए आवेदन किया है। उसके आवेदन का उत्तर देने के लिए एक पत्र का प्रारूप तैयार कीजिए।

8. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 50-60 शब्दों में दीजिए : 3 + 3 = 6

(क) ''सामान्य व्यवहार की हिंदी भी हिंदी का एक प्रयुक्ति क्षेत्र है''– कथन के पक्ष में उदाहरण देते हुए टिप्पणी लिखिए।

(ख) वाणिज्य और व्यापार के क्षेत्र में प्रयुक्त की जानेवाली हिंदी की किन्हीं तीन विशेषताओं का सोदाहरण उल्लेख कीजिए।

9. निम्नलिखित प्रश्नों के उत्तर 80-100 शब्दों में लिखिए : 4 + 4 = 8

(क) जनसंचार माध्यम आम नागरिकों और सरकार के बीच किस प्रकार सेतु का काम करते हैं? उदाहरण सहित लिखिए।

(ख) 'ई-पेपर' की उपयोगिता पर टिप्पणी लिखिए और एक समाचार लिखकर प्रस्तुत कीजिए।